मूल्य 1 रु.
वर्ष: 11 - अंक : 117, मुंबई, सोमवार, 21 जून, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र गठबंधन सरकार में
जुबानी जंग तेज

उद्धव ने कहा- जूते पड़ेंगे...
पटोले का जवाब- ये तो जनता तय करेगी

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में गठबंधन में सरकार चला रही महाविकास अघाड़ी सरकार में खाई चौड़ी होती नजर आ रही। शिवसेना प्रमुख और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस पर इशारों में निशाना साधते हुए कहा कि अगर कोई अकेले चुनाव लड़ने की बात करेगा तो जनता उसे चप्पल से मारेगी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

फडणवीस पर भी साधा निशाना

ठाकरे ने देवेंद्र फडणवीस का नाम लिए बिना उन्होंने कहा, महाविकास अघाडी बनने के बाद कुछ लोगों के पेट में दर्द हो रहा है, लेकिन मैं डॉक्टर नहीं हूं। उन्हें वक्त आने पर राजनीतिक दवा दूंगा। सत्ता न मिलने पर कई लोग छटपटा रहे हैं। हमसे पूछा जा रहा है कि एक साल में क्या किया, तो मैं उनसे कहना चाहूंगा कि वे काम देख लें।

उद्धव ठाकरे ने की ममता बनर्जी की तारीफ

'अपने दम पर जीता चुनाव, बताया बंगाली गौरव के लिए क्या करना चाहिए'

'बंगाल ने पूरे देश को बताया कि आजादी के लिए क्या करना चाहिए'

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने एक बार फिर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की तारीफों के पुल बांधे हैं। शिवसेना के 55वें स्थापना दिवस के मौके पर ठाकरे ने कहा कि ममता बनर्जी ने अपने दम पर पश्चिम बंगाल का चुनाव लड़ा और जीता। तमाम तरह की टिप्पणियों और हमलों के बावजूद बंगालियों ने अपनी इच्छाशक्ति दिखाई।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मौलाना अरशद मदनी का आरोप

चुनाव नजदीक आते ही शुरू होता है नफरत फैलाने का खेल

अल्पसंख्यक बनते हैं निशाना

नई दिल्ली। देश में मुसलमानों के प्रमुख संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद (अरशद मदनी समूह) के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने रविवार को बिना किसी दल का नाम लिए बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि देश में जब भी चुनाव करीब आते हैं तो नफरत का खेल शुरू हो जाता है। 'खास विचाराधारा' के लोग अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने लगते हैं। मदनी ने राष्ट्रीय एकता, आपसी मेलजोल और हिंदू- मुस्लिम भाईचारे को बढ़ावा देने की अपील की। साथ ही कहा कि धार्मिक घृणा देश को विकास नहीं विनाश के रास्ते पर ले जा रही है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

स्विस बैंकों में बढ़ा धन

जब-जब स्विस बैंकों का जिक्र आता है, काला धन का मुद्दा सतह पर आ जाता है। हालांकि, स्विस बैंकों में जमा सभी धनराशि काला धन नहीं है। उनसे कई औद्योगिक कंपनियों के वैध खाते भी संचालित होते हैं, जो कारोबारी लेन-देन के उद्देश्य से खोले गए हैं। वैसे, आम लोगों को यह कुछ अजीब लग सकता है कि जिस कोरोना-काल में यहां लोगों की आय घट रही थी, इस दौरान स्विस बैंकों में भारतीयों की पूंजी-वृद्धि ने पिछले तेरह वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इन बैंकों में भारतीयों का धन बढ़कर 20,700 करोड़ रुपये से भी अधिक हो गया है। स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक के मुताबिक, भारतीयों का धन नगदी के रूप में नहीं, बल्कि सिक्योरिटी, विभिन्न बॉन्ड और कई अन्य तरह की वित्तीय होल्डिंगके कारण बढ़ा है। बहरहाल, इन ब्योरों से स्विस बैंकों में कितने भारतीयों का कितना काला धन जमा है, इसका संकेत नहीं मिलता, बल्कि इनसे बस यही जानकारी मिलती है कि भारतीय खाताधारकों के प्रति स्विस बैंकों की कितनी देनदारी बनती है। काला धन के मुद्दे ने कई बार देश की राजनीति की दशा-दिशा बदली। साल 2014 के आम चुनाव में तो यह एक बहुत बड़ा मुद्दा बना था। नेताओं द्वारा चुनावी रैलियों में अतिरंजित दावे किए गए थे। इसीलिए, जब इस पर लगाम लगाने के लिए नवंबर 2016 में प्रधानमंत्री ने नोटबंदी का एलान किया, तब देशवासी काफी तकलीफें उठाकर भी सरकार के फैसले के साथ अडिग रहे। लेकिन कुछ ही महीनों में यह साफ हो गया कि इससे कोई फायदा नहीं हुआ। इसका सबसे बड़ा प्रमाण है- चुनाव आयोग द्वारा लोकसभा और विधानसभा चुनावों में बड़े पैमाने पर नगदी, शराब व आभूषणों की बरामदगी। बताने की जरूरत नहीं कि कुछ मायनों में नोटबंदी से अर्थव्यवस्था को नुकसान ही पहुंचा। उसके बाद काला धन का मुद्दा न सरकार के लिए लोक-लुभावन बचा, और न लोगों के लिए किसी उम्मीद का बाइस रहा। फिर भी, इसको नियंत्रित करने की शासन-प्रशासन की कोशिशें बंद नहीं हुईं, हो भी नहीं सकतीं, क्योंकि यह अंततः देश की अर्थव्यवस्था को खोखला करता है। यह एक कटु सच्चाई है कि भारत ही नहीं, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में भी कोरोना-काल में आम लोगों की जिंदगी दुश्वार हुई, पर शीर्ष के धनपतियों व उनकी कंपनियों के खजाने में अरबों की दौलत बढ़ी। ऐसे में, स्विस बैंकों में भारतीयों के धन में बॉन्ड, सिक्योरिटी आदि के जरिए बढ़ोतरी समझी जा सकती है। लेकिन यह खुला सच है कि जितने भी 'टैक्स हैवेन' देश हैं, उनके बैंकों में दुनिया भर के रसूखदारों और धनपतियों ने विशाल धनराशि छिपा रखी है। पनामा पेपर्स लीक इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। दिक्कत यह है कि ये देश किसी प्रकार की वित्तीय जानकारी साझा नहीं करते। सरकारों के लिए लंबे समय से यह बड़ी चुनौती बनी हुई है कि कैसे कर-चोरी के इस रास्ते को बंद किया जाए? जाहिर है, कूटनीतिक तरीकों से ही ऐसे खाताधारकों तक पहुंचना होगा। भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति इस वक्त अच्छी नहीं है और आने वाले कुछ वर्षों में उसके आर्थिक अनुशासन की कड़ी परीक्षा होगी। इसलिए हरेक स्तर पर वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करने के साथ-साथ सरकार को विदेश में काला धन रखने वालों से सख्ती से निपटना होगा। देश जानना चाहेगा कि कितना काला धन उसके खजाने में लौटा?

डब्ल्यूएचओ को सुधारने का समय

यह अच्छा हुआ कि जी-7 देशों के मंच से इस पर जोर दिया गया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन अर्थात डब्ल्यूएचओ कोरोना उत्पत्ति का पता लगाए। इस दबाव का नतीजा यह रहा कि डब्ल्यूएचओ प्रमुख को भी यह कहना पड़ा कि चीन कोरोना वायरस के स्रोत की तह तक पहुंचने में सहयोग करे। डब्ल्यूएचओ तभी से कठघरे में है, जबसे वह कोविड-19 महामारी को रोकने में नाकाम रहा। उसने कोविड-19 को महामारी घोषित करने में काफी समय लिया और समय रहते यात्राओं पर प्रतिबंध लगाने के प्रति भी गंभीरता नहीं दिखाई। वुहान या चीनी वायरस नामकरण देने में झिझक उसकी भूमिका को और संदेहास्पद बना देती है। डब्ल्यूएचओ के चीन के प्रति पक्षपातपूर्ण व्यवहार के कारण ही पूरे विश्व में लाखों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। इससे पहले 2015 के पश्चिमी अफ्रीका के इबोला संकट के समय में भी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करने में देरी के कारण उसे आलोचना का शिकार होना पड़ा था। डब्ल्यूएचओ के सदस्य देश उसे अनिवार्य एवं ऐच्छिक, दो प्रकार से फंड देते हैं।

अनिवार्य योगदान के अंतर्गत प्रत्येक सदस्य देश 1980 की जनसंख्या एवं जीडीपी के अनुपात में अपना योगदान देता है। डब्ल्यूएचओ के कुल बजट का लगभग 20 प्रतिशत अनिवार्य योगदान के रूप में प्राप्त होता है। जबकि ऐच्छिक योगदान के अंतर्गत प्रत्येक सदस्य देश अपनी इच्छा से कितना भी दे सकता है। कुल बजट में इसका योगदान लगभग 35 प्रतिशत है, जिसमें सर्वाधिक 31 प्रतिशत योगदान अमेरिका का है। इसके बाद इंग्लैंड 16 प्रतिशत, जर्मनी 12 प्रतिशत एवं जापान का छह प्रतिशत का योगदान है। चीन का योगदान दो प्रतिशत है एवं भारत का एक प्रतिशत। यदि सदस्य देशों की ऐच्छिक एवं अनिवार्य राशि को मिला दिया जाए तो यह डब्ल्यूएचओ के कुल बजट का लगभग 50 प्रतिशत ही हो पाती है। शेष बजट की राशि गैर सरकारी संस्थाओं से दान में प्राप्त होती है, जिसमें बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन का सर्वाधिक लगभग आठ प्रतिशत का योगदान है। इस प्रकार डब्ल्यूएचओ को मिलने वाली कुल बजट राशि का लगभग दो तिहाई दान से प्राप्त होता है, जो इसकी नीतियों के निर्धारण में प्रत्यक्ष भूमिका का

निर्वाह करते हैं। इनका सीधा संबंध दवाओं, टीकों एवं अन्य स्वास्थ्य उत्पादों के बाजार से जुड़ा है। इससे डब्ल्यूएचओ की वैधानिकता में निरंतर गिरावट आ रही है। यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन को लोकतांत्रिक वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसी के रूप में अपनी वैधता को बनाए रखना है तो इसे अपने मूल कामों की तरफ लौटना होगा। इसे महामारी और स्वास्थ्य कवरेज जैसे मुख्य मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। कोविड महामारी के बाद डब्ल्यूएचओ को अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव करना होगा। इसका मुख्य निर्णय लेने वाला निकाय वार्षिक विश्व स्वास्थ्य सभा होती है, जिसमें सभी सदस्य देश हिस्सा लेते हैं। सदस्य देशों की प्राथमिकताएं अक्सर प्रमुख दानदाताओं के साथ टकराती रहती हैं। सदस्य देशों को स्वैच्छिक बजट को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए डब्ल्यूएचओ के मुख्य बजट में अपने निर्धारित योगदान को बढ़ाना चाहिए।

सदस्य देशों द्वारा गारंटीकृत फंडिग करने से न सिर्फ इसका कार्य विस्तार होगा, बल्कि सदस्य देशों के साथ तालमेल एवं जवाबदेही में भी वृद्धि होगी। डब्ल्यूएचओ को वित्त पोषण ढांचे में सुधार के अलावा अपने अतिरिक्त आय के स्रोतों में भी वृद्धि करनी होगी। कार्यकारी बोर्ड में विश्व भर से भौगोलिक प्रतिनिधित्व के आधार पर चुने गए 34 देशों के तकनीकी रूप से योग्य व्यक्ति शामिल होते हैं। इस कार्यकारी बोर्ड को स्थायी निकाय बनाया जाना चाहिए। इससे इसकी कार्यप्रणाली की व्यावहारिकता में वृद्धि होगी। ब्ल्यूएचओ को किसी भी गंभीर बीमारी के लिए धन जुटाने के लिए नवीन वित्त पोषण पर विशेष ध्यान देना होगा। दान देने वाली गैर सरकारी संस्थाओं की भूमिका को स्वीकार करते हुए उन्हें इस संस्था में उचित स्थान तो दिया जाना चाहिए, परंतु विश्व में स्वास्थ्य सुविधाओं की आपूर्ति में उनके आर्थिक हितों से बचना चाहिए। दवाओं, टीकों एवं अन्य स्वास्थ्य उत्पादों के अनुसंधान एवं विपणन के संबंध में डब्ल्यूएचओ का डब्ल्यूटीओ एवं विश्व की अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ एक अच्छा तालमेल होना चाहिए।

संकट के समय डब्ल्यूएचओ को अनुसंधान के कार्यों एवं नई दवाओं को लाने में विकसित देशों के साथ शामिल होना चाहिए। साथ ही ऐसी विधियों पर कार्य करना चाहिए, जिससे प्रमुख दवाएं सस्ती कीमत पर सभी को उपलब्ध हो सकें। इसके अतिरिक्त इसे अपने विशेषज्ञों को संभावित सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों को छिपाने से रोकने के लिए, प्रकोपों की जांच और आकलन करने के लिए स्वतंत्र अधिकार देना चाहिए। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट को विश्व भर में लागू करवाने के लिए कानूनी अधिकार न होने के कारण सदस्य देश इसे गंभीरता से नहीं लेते। विश्व व्यापार संगठन की तरह डब्ल्यूएचओ के अधिकारों में बढ़ोतरी के लिए सभी देशों को मिलकर कार्य करना होगा। डब्ल्यूएचओ को अपनी गतिविधियों को केवल गंभीर बीमारियों के क्षेत्र में ही विस्तार करना चाहिए। बाकी बीमारियों के लिए इसका व्यवहार अन्य देशों के लिए निदेर्शात्मक होना चाहिए। विश्व के देशों को स्वास्थ्य के संबंध में तकनीकी सहायता पर भी इसे विशेष फोकस करना होगा। इन सबके साथ डब्ल्यूएचओ को अपनी राजनीतिक निष्पक्षता को बनाए रखनी होगी। इसे अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ एक समन्वयकारी संस्था के रूप में कार्य करना चाहिए, जिससे वह तेजी से बदलती वैश्विक स्वास्थ्य नीति में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर सके। अब समय आ गया है कि डब्ल्यूएचओ को एक नया रूप दिया जाए, ताकि वैश्विक स्वास्थ्य को मजबूत करने के साथ-साथ भविष्य के स्वास्थ्य संकटों के साथ महामारियों को भी रोका जा सके। इसके लिए सदस्य देशों के बीच व्यापक समन्वय की आवश्यकता होगी।

पत्रकारों को राहुल की चिंता

जब से राहुल गांधी ने अंग्रेजी और टेलीविजन वाले कथित बड़े पत्रकारों को ट्विटर पर अनफॉलो किया तब से पत्रकारों को उनकी चिंता सताने लगी है। वे उनको अजीबोगरीब राय दे रहे हैं। जैसे राजदीप सरदेसाई ने लेख लिख कर कहा कि राहुल गांधी को कांग्रेस से निकल कर अलग पार्टी बनानी चाहिए। सोचें, राहुल के पास देश की सबसे पुरानी और एक विशाल पार्टी है, जिसे वे ठीक से नहीं चला पा रहे हैं और राजदीप ने उनको सलाह दे दी कि वे नई पार्टी बना लें! असल में उनको लग रहा है कि कांग्रेस के पुराने नेता राहुल को ठीक से काम नहीं करने दे रहे हैं। लेकिन सवाल है कि राहुल ने जिन नेताओं को चुना और केंद्र में मंत्री बनाया या प्रदेशों में अध्यक्ष बनाया वे कौन सा राहुल को मजबूत बना रहे हैं? उन्होंने ही तो सबसे ज्यादा राहुल को कमजोर किया है! बहरहाल,

राजदीप ने एक सलाह दी एक दूसरे पत्रकार ने सलाह दी कि कांग्रेस पार्टी खुद ही क्यों नहीं सोनिया, राहुल और प्रियंका को अलग करके नई पार्टी बन जाती है? यानी गांधी परिवार के बगैर कांग्रेस पार्टी! फिर एक महिला पत्रकार ने ऐलान किया कि अगर देश का मीडिया नरेंद्र मोदी से कठिन सवाल नहीं पूछ सकता है तो उसे विपक्ष यानी राहुल गांधी से भी सवाल भी पूछने का हक नहीं है। असल में मुख्यधारा की मीडिया से बाहर के पत्रकारों की एक बड़ी जमात को इस बात पर आपत्ति है कि मुख्यधारा की मीडिया क्यों विपक्ष से सवाल पूछ रही है। सो, इस समय सोशल मीडिया में कुल मिला कर हालात ऐसे हैं कि पत्रकारों की बड़ी मंडली राहुल गांधी की चिंता में है। वैसे तो पिछले काफी समय से पत्रकारों द्वारा राहुल गांधी और कांग्रेस को नसीहत देने का काम चल रहा है पर अब जबसे ऐसा लगने लगा है कि भाजपा बैकफुट पर है और नरेंद्र मोदी से भी लोग नाराज हो सकते हैं, तब से राहुल को सलाह देने वाले और उनकी चिंता करने वाले बढ़ गए हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

ऑटो रिक्शा और मोटरसाइकल चोरों का आतंक

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। चिंदी चोरों का आतंक अभी समाप्त भी नहीं हुवा कि ऑटो रिक्शा और मोटरसाइकल चोरी होने कीं घटना सामने आ रहीं हैं। ऐसे लगता है जैसे कि चोरों के दिल से पुलिस का खौफ पूरी तरह से खत्म हो गया है। इसी कारण यह चोर बड़ी निडरता से चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। शहर में बढ़ती हुई चोरी की वारदातों ने शहर वालो का जीना हराम कर रखा है। आय दिन कोई न कोई चोरी की घटना सामने आ रहा है कभी किसी की मोटरसाइकल चोरी हो रही हैं कभी घर से मोबाइल फोन चोरी होने कीं वारदात हो रहीं हैं और पुलिस यह चोरों को पकड़ने में नकाम नजर आ रही है। आजकल ऑटो रिक्शा चोरी होने कीं घटना सामने आ रहीं हैं जीवन बाग इलाके के रहिवासी मोहम्मद

अली कि ऑटो रिक्शा 18 जून को चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। यह ऑटो रिक्शा चालक मोहम्मद अली ने बताया कि मुंब्रा शहर में धड़ल्ले से रोज कोई न कोई इलाके से ऑटो रिक्शा चोरी हो रही यह चोर गोविंडी से आकर चोरी की वारदात को धड़ल्ले से अंजाम दे रहे हैं और जानकारी देते हुवे बताया कि शहर में बिना लाइसेंस के बिना परमिट बिना पेपर के अनगिनत ऑटो रिक्शा चल रहीं हैं ट्रैफीक पुलिस भी इन गैरकानूनी तौर पर चल रहीं ऑटो रिक्शा चालक पर कोई कार्रवाई नहीं करते यह ऑटो रिक्शा चालक कोरोना की मार से परेशान हैं और रिक्शा में धंधा नहीं हो रहा है और फिर ऑटो रिक्शा कि शिप देने पड़ती हैं उस पर बढ़ते पेट्रोल डीजल गैस के दाम मंहगाई की मार, उस पर ऑटो रिक्शा चोरी हो रही है हम लोग बहुत बुरी तरह से परेशान हैं तो मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मधुकर कड से निवेदन है कि शहर में धड़ल्ले से हो रही चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं निडर चोरों को जल्द से जल्द सलाकों के पीछे डाले ताकि शहर के लोग चैन की नींद सो सके यह आपसे निवेदन है।

बंद कमरा खोला गया तो मिली एक व्यक्ति की लटकती हुई लाश

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। कोसा श्रीलंका परिसर से सटा हुवा ईलाका देवरीपाडा में एक व्यक्ति के बंद घर में फाँसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है विश्वासनीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब्दुल गफ्फार वर्ष 50 रहिवासी इमरान कॉम्प्लेक्स 6 मंजिल मकान नंबर 606 देवरी पाडा श्रीलंका कौसा मुंब्रा यह व्यक्ति ने अपने ही घर में फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली। गौरतलब बात यह है कि दो दिन बाद घर से जब बदबू आईं तब पड़ोसियों ने घर का दरवाजे खोला तो देखा अब्दुल गफ्फार की फंदा से झूलती हुईं लाश नजर आई। पड़ोसियों ने मृतक के रिश्तेदार को सूचना

दी, खबर मिलते ही मृतक का साला अब्दुल समद घर पहुँचे, समद से मिली जानकारी के अनुसार अब्दुल गफ्फार यह मकान में अकेले ही रह रहा था। पत्नी दुबई में रहती है और एक बच्चा अभी दुबई गया है। फिलहाल समद ने घर में किसी तरह की विवाद कीं बात नहीं बताई है आखिर किन कारणों के तहत यह व्यक्ति ने आत्महत्या की है यह पहेली बनीं हुईं हैं। मुंब्रा पुलिस के सूचना दी गयी सूचना मिलते ही मुंब्रा पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर लाश का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए कलवा के शिवाजी अस्पताल में भेज दिया गया। किस वजह से मृतक ने आत्महत्या की है पुलिस इसकी छानबीन कर रही हैं।

कानूनी सलाह

दै. मुंबई हलचल के सभी पाठकों और शुभचिंतकों का बहुत-बहुत अभिनंदन। दै. मुंबई हलचल अपने पाठकों के लिए लेकर आया है- कानूनी सलाह। जी हाँ, आप इस फोरम पर अपनी कानूनी समस्या पर सलाह प्राप्त कर सकते हैं।

आज का विषय

क्या किसी अवैध रूप से हिरासत में लिए गए व्यक्ति को मुआवजा पाने का अधिकार है?

निरोध को किसी व्यक्ति या संपत्ति को आरक्षित करने के कार्य के रूप में परिभाषित किया गया है। जबकि अवैध निरोध किसी व्यक्ति को अवैध कारण या संदेह के लिए गिरफ्तार करके बिना सबूत के कारावास है, साथ ही ऐसे व्यक्ति को हिरासत में रखने से व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर निरंतर प्रतिबंध है। अवैध हिरासत भी भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 और 22(1) का उल्लंघन है। कोई भी व्यक्ति जिसे किसी पुलिस अधिकारी द्वारा बिना किसी आधार के अवैध रूप से हिरासत में लिया या गिरफ्तार किया गया है, उस व्यक्ति विशेष या उस व्यक्ति का कोई करीबी रिश्तेदार मानसिक हानि या चोट के परिणाम के लिए सीआरपीसी की धारा 358 के तहत अदालत से मुआवजे का दावा कर सकता है अवैध रूप से हिरासत में लिए जाने या पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के कारण हुई उसकी चरित्र या छवि को भी चोट।

आपकी अगर कोई कानूनी समस्या है तो हमें लिखें, हम आपका मार्गदर्शन करेंगे।
Dr. S.P. Ashok
B.Tech, LL.M., DTL, PGD (ADR)Ph.D. (Law)

पुल के काम के चलते बैरिकेडिंग का पत्रा गिरने से युवक घायल

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। एमएमआरडीए के पुल का कार्य को लेकर बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। यह पुल निर्माण का कार्य कालसेकर कोलेज के पास से गुजरता हुवा बाई पास पर पुल से जुड़ेगा। शहर भर में यह पुल निर्माण कार्य को लेकर बड़ी चिंता जताई जा रही है। यह एमएमआरडीए कंपनी का काम अपने पुल के निर्माण कार्य के साथ लोगों की जान की सुरक्षा कीं जिम्मेदारी भी इसी कंपनी कीं है। हाल ही में कौसा निवासी सलीम डोंगरे नाम का एक युवक अपनी बाईक से बैंक में जाने के लिए एमएमआरडीए के पुल से गुजरता हुवा रास्ता से जा रहा था कि अचानक तेज हवा के चलते पुल के बैरिकेडिंग पत्रा गिरने से युवक की जान जाने से बच गई। हलांकि इस घटना में युवक पर पत्रा गिरने से सर पर हाथ पर चोंट आईं हैं। पता चला है कि बैरिकेडिंग का पत्रे को मामूली तार से बाँधा गया था और इसी एक लापरवाही के कारण युवक के साथ ऐसा घाटना घटी, तो हम एमएमआरडीए कंपनी के ठेकेदार से निवेदन करते हैं कि किसी भी तरह की कोई भी लापरवाही न बरते। और हमेशा अपने पुल के निर्माण कार्य को बैरिकेडिंग किया गया पत्रे को लेकर हमेशा सतक रहे ताकि कोई भी घटना न घटे।

(पृष्ठ 1 का शेष)

महाराष्ट्र गठबंधन सरकार में जुबानी जंग तेज

सहयोगी दल के नेता की तरफ से ऐसे बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा है कि अब तो जनता ही यह तय करेगी। दरअसल शिवसेना ने अपने 55वें स्थापना दिवस पर हिंदुत्व और मराठी अस्मिता की बात की। इस दौरान मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस पर इशारों में तीखा हमला किया। उद्धव ने कहा कि अगर कोई अकेले लड़ने की बात करेगा तो लोग जूतों से मारेंगे। हाल ही में महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने अगले सभी चुनाव अकेले लड़ने की बात कही थी। नाना ने कहा, 'ये तो जनता तय करेगी कि चप्पल की मार किसे पड़ेगी।' नाना ने हाल ही में सीएम बनने की इच्छा भी जाहिर की थी। शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा, उद्धव जी ने यह बोला है, कोरोना के वक्त में भी राजनीति करेंगे तो लोग चप्पल से मारेंगे- हमको, सबको। कांग्रेस के अपने दम पर चुनाव लड़ने के मुद्दे पर ठाकरे ने कहा कि कुछ लोग अपने बल पर चुनाव लड़ने की बात कर रहे हैं। कोरोना काल में हृदयविदारक स्थिति है। लोगों का रोजगार गया, रोजी-रोटी का संकट पैदा हो गया है। ऐसे में अगर कोई अकेले लड़ने की बात करेगा, तो लोग जूतों से मारेंगे। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शिवसेना स्थापना दिवस पर अपने संबोधन में हिंदुत्व और मराठी अस्मिता को पार्टी की पहली प्राथमिकता बताया है। उन्होंने सत्ता में सहयोगी कांग्रेस और विरोधी दल बीजेपी पर निशाना साधा। उद्धव यह भी कहने से नहीं चूके कि वह सत्ता पर बने रहने के लिए कतई लाचार नहीं हैं। ठाकरे ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की जमकर सराहना की। इस मौके पर उन्होंने विशेष रूप से बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तारीफ की।

उद्धव ठाकरे ने की ममता बनर्जी की तारीफ

दो शब्दों वंदे मातरम से आजादी की लड़ाई को नया जीवन देने वाले बंगाल ने दिखा दिया कि आजादी के लिए क्या करना चाहिए। उद्धव ठाकने कहा कि जब भी क्षेत्रीय गौरव को खतरा होता है, संघीय ढांचे पर दबाव पड़ता है। ऐसे में पश्चिम बंगाल इस बात का उदाहरण है कि 'अकेले जाना' क्या होता है। बंगाल में हर तरह के हमले हुए, लेकिन सभी बंगाली गौरव के पक्षधर थे। बंगाल ने एक उदाहरण दिखाया है कि क्षेत्रीय गौरव की रक्षा कैसे की जाती है। बीते बंगाल चुनावों में बीजेपी की कड़ी चुनौती और आक्रामण चुनाव प्रचार के बावजूद तृणमूल कांग्रेस ने लगातारी तीसरी बार राज्य की सत्ता पर कब्जा जमाया था।

मौलाना अरशद मदनी का आरोप

उन्होंने कहा, कुछ समय पहले जब कोरोना की दूसरी लहर लोगों की जान ले रही थी तो लोग धर्म से ऊपर उठकर एक दूसरे की सहायता कर रहे थे। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सब एक साथ आकर कोरोना पीड़ितों की मदद कर रहे थे। घृणा की दीवार को गिरा दिया गया था, जो सांप्रदायिक दलों और संगठनों ने अपने राजनीतिक उद्देश्य के लिए उनके बीच खड़ी की थी। मौलाना मदनी ने आरोप लगाया, 'लेकिन चुनाव निकट आते ही एक बार फिर नफरत फैलाने का खेल शुरू हो गया। एक विशेष विचारधारा के लोग पुलिस के संरक्षण में पुरानी मस्जिदों और निहत्थे मुसलमानों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर अपना निशाना बनाने लगे हैं। यहां तक कि बूढ़ों को भी नहीं बख्शा जा रहा है। उनकी दाढ़ी काटी जा रही है। बूढ़ों के साथ यह मामला उपद्रवियों ने धार्मिक घृणा फैलाने के लिए किया जो निंदनीय है।' मौलाना मदनी ने आरोप लगाया, 'जो लोग देश में घृणा फैलाते हैं, हिंसा करते हैं, वे पकड़े नहीं जाते हैं, बल्कि कुछ लोग टीवी चैनलों पर बैठकर उनका बचाव करते हैं। इससे साफ है कि हिंसक लोगों को किसी न किसी प्रकार से राजनीतिक समर्थन प्राप्त है। शायद यही कारण है कि पुलिस भी उन लोगों पर हाथ डालते हुए घबराती है।' प्रमुख मुस्लिम नेता ने पिछले साल फरवरी में दिल्ली में हुए दंगों का जिक्र करते हुए बयान में दावा किया, 'दिल्ली दंगों में मुसलमान ही अधिक मारे गए। उनकी ही दुकानें लूटी गईं। उनके ही घर जलाए गए। उनकी ही इबादतगाहों को अपवित्र किया गया। फिर उल्टे उन पर ही कड़ी धाराएं लगा दी गईं। इस कारण उनकी जमानत निचली अदालत से नहीं हो रही हैं। न्याय का यह दोहरा मापदंड देश के लिए अति घातक है।' अगले साल उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा समेत कुछ राज्यो में चुनाव होने हैं।

दबंग फिल्म के निर्देशक अंजन गोस्वामी बने फेडरेशन ऑन इनक्रेडिबल टीवी और फिल्म कलाकार फाइमा के महाराष्ट्र अध्यक्ष

मुंबई। बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के प्रसिद्ध दबंग फिल्म डायरेक्टर अंजन गोस्वामी की 30 साल फिल्म की कार्यकाल को देखते हुए फेडरेशन ऑफ ऑन इनक्रेडिबल टीवी एंड मूवी आर्टिस्ट फाइमा के फाउंडर श्री नरोत्तम चंगारापू जी ने बॉलीवुड फिल्म डायरेक्टर को महाराष्ट्र का प्रेसिडेंट बनाया गया है गौरतलब हो कि अंजन गोस्वामी 16 साल की उम्र से ही बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखे थे। अपनी जिंदगी की शुरूआत मशहूर फिल्म डायरेक्टर बसु चटर्जी के साथ दर्पण, रजनी, चमेली की शादी में असिस्टेंट के तौर पर काम किए थे। उसके बाद भरत रंगाचार्य के साथ सुबह, रामानंद सागर के साथ विक्रम और बेताल, अशोक जमवार के साथ फसाना, सतीश कौशिक के साथ ये शादी नहीं हो सकती, श्याम बघेल के साथ तामस आदि अनेक ऐसे कहानी टीवी सीरियल में असिस्टेंट की तौर पर काम किए हैं फिलहाल देखते ही देखते अंजन गोस्वामी ने कई सारे फिल्म में चीफ असिस्टेंट के तौर पर काम किए हैं। जैसे कि नामचीन, वो सात दिन, ब्रह्मचारी, यारा दिलदारा, हम, हसीना मान जायेगी, सलामी जैसे कई हिट फिल्म देकर बॉलीवुड के जगत में अपनी पहचान बनाई है। सिर्फ इतना ही नहीं अंजन गोस्वामी ने कई बड़े बड़े कंपनियों की ऐड भी की है और बड़े-बड़े हिट एल्बम भी बनाया है। आज भी लोग हरिये सोनिये गीत को सुनते हैं आगे बता दें कि अंजन गोस्वामी ने पार्थो घोष को फिल्म में एसोसिएट डायरेक्टर के तौर पर दलाल, तीसरा कौन, 100 डे, अग्निसाक्षी, गुलामी, मुस्तफा, युगपुरुष जैसे फिल्म करके अंजन गोस्वामी ने बॉलीवुड की दुनिया में अपने नाम की अलग पहचान बनाई है। गौरतलब हो कि अंजन गोस्वामी वेब सीरीज के साथ लगातार 16 फिल्म करने जा रहे हैं। जिसमें से एक फिल्म बॉलीवुड फिल्म के सुपरस्टार श्री अमिताभ बच्चन जी को लेकर मैं हूं डॉन करने जा रहे हैं जिसके प्रोड्यूसर हैं फेडरेशन ऑफ ऑन इनक्रेडिबल टीवी एंड मूवी आरटेट फाइमा के फाउंडर नरोत्तम चंगारापु जी, आगे बता दें कि नरोत्तम चंगारापू जी ने अंजन गोस्वामी के 30 साल की कामों को देखते हुए उनको अपने फेडरेशन ऑफ द इनक्रेडिबल टीवी एंड मूवी आर्टिस्ट का महाराष्ट्र अध्यक्ष बनाया है और साथ ही साथ मैं हूं डॉन फिल्म के लिए अंजन गोस्वामी को अपने फिल्म के लिए साइन भी किया है।

दूरदर्शन पर फिर से चलेगा धीरज कुमार का लोकप्रिय टीवी शो श्री गणेश

मुंबई। इस महामारी के दौरान पौराणिक कथाएं दर्शकों को खूब पसंद आ रही हैं। जैसे रामायण और महाभारत ने दूरदर्शन पर री रन से अपना प्रभाव डाला, उसी प्रकार निमार्ता जुबी कोचर और निर्देशक धीरज कुमार का लोकप्रिय पौराणिक शो, जिसे 2002 में सोनी पर लॉन्च किया गया था, अब 21 जून से दूरदर्शन पर री रन होने जा रहा है। धीरज कुमार ने कहा, भगवान गणेश भारत की संस्कृति और धर्म में गहरी जड़ें जमा चुके हैं और हमारा शो श्री गणेश बेहद लोकप्रिय हो गया था जब 2002 में सोनी पर इसका मूल प्रदर्शन हुआ था। इस शो ने अपनी चरम रेटिंग के रूप में 3.4 की रेटिंग प्राप्त की और इसे बनाए रखा। लोगों ने इस सीरियल का गहन शोध, भव्य सेट और निर्माण बहुत पसंद आया था। अब, कई वर्षों के बाद, दूरदर्शन ने इसे फिर से प्रसारित करने का फैसला किया है। श्री गणेश किसी भी नए काम के शुरू होने से पहले पूजा करने वाले पहले देवता हैं। हमें खुशी है कि दर्शकों को दूरदर्शन राष्ट्रीय नेटवर्क पर यह शो फिर से देखने को मिलेगा। जागेश मुकती ने शो में महा गणेश, विशाल लालवानी ने बाल गणेश, सुनील शर्मा ने शिव और प्रियंका ने पार्वती की मुख्य भूमिका निभाई। यह शो क्रिएटिव आई लिमिटेड द्वारा बनाया गया है और यह नमः शिवाय के साथ वेंचर है और इसे दूरदर्शन पर हर रोज मंगलवार से शनिवार सुबह 9 बजे फिर से प्रसारित किया जाएगा। श्रृंखला में 300 एपिसोड शामिल हैं।

डॉ कृष्णा चौहान द्वारा 'मिस बॉलीवुड ऑनलाइन ब्यूटी कॉन्टेस्ट 2021' का सफल आयोजन

यूपी की दीप्ति तिवारी रहीं विनर, खुशबू शर्मा व पीहू ठाकुर हुईं रनर अप

मुंबई। 15 जून, कोरोना महामारी से व्याप्त इस संकट काल में लंबे समय तक लागू लॉकडाउन के बाद अब लोगों का जीवन धीरे धीरे सामान्य होने लगा है। लोग अपने अपने काम धंधे पर वापस लौटने लगे हैं। यही स्थिति बॉलीवुड में भी देखने को मिल रही है। बड़े प्रोडक्शन हाउस के बाद अब नए बैनर भी अपने प्रोजेक्ट की शूटिंग में निकल पड़े हैं। ऐसे हालात में मिस बॉलीवुड ऑनलाइन ब्यूटी कॉन्टेस्ट 2021 का सफल आयोजन आज 15 जून को किया गया। मिस बॉलीवुड ऑनलाइन ब्यूटी कॉन्टेस्ट 2021 का आयोजन डॉ कृष्णा चौहान ने करवाया जो ज्यूरी मेम्बर भी थे। इनके साथ इंटरनेशनल परफॉर्मर शिरीन फरीद और एंकर सिमरन आहूजा भी ज्यूरी की सदस्य थीं। इस कांस्टेस्ट मे देश भर से एक से बढ़कर एक सुंदर और टैलेंटेड युवतियों ने भाग लिया था। जिनमे से यूपी की दीप्ति तिवारी विनर रहीं वहीं खुशबू शर्मा व पीहू ठाकुर हुईं रनर अप। गौरतलब है कि दीप्ति तिवारी पिछले 20 साल से मुम्बई में रहकर कई धारावाहिकों और फिल्मो में काम किया है। फर्स्ट रनर अप खुशबू शर्मा इंदौर की रहने वाली हैं व बॉलीवुड में न्यू फेस हैं। 2एड रनरअप पीहू ठाकुर उत्तराखण्ड की हैं जो एक्टिंग के साथ साथ प्रिंट एड शूट में भी व्यस्त रहती है।

डॉ कृष्णा चौहान का यह सातवां अवार्ड था। उन्होंने इससे पहले 6 अवार्ड समारोह करवाये हैं। इससे पूर्व कृष्णा चौहान ने दिसम्बर 2019 में बॉलीवुड लीजेंड एवार्ड और फरवरी 2020 में बॉलीवुड आइकोनिक एवार्ड करवाया था। सितंबर में मिस बॉलीवुड ऑनलाइन ब्यूटी कॉन्टेस्ट 2020, दिसम्बर 2020 में लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड, बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड, फरवरी 2021 में बॉलीवुड आइकोनिक अवार्ड फंक्शन का सफल आयोजन किया था। कृष्णा चौहान फाउंडेशन के अंतर्गत वह अगले माह जुलाई में 'लेजेंड दादासाहेब फाल्के एवार्ड 2021' फंक्शन करा रहे हैं। आपको बता दें कि निर्देशक कृष्णा चौहान बॉलीवुड में पिछले 18 वर्षों से फिल्म मेकिंग जैसी जटिल विधा को आत्मसात कर रहे हैं। इससे पहले कृष्णा की एक शार्ट फिल्म को राज्य स्तर पर सराहना मिली है जो कि सामाजिक मुद्दे पर बनी थी। इसके अलावा कृष्णा चौहान ने दो फिल्म की भी तैयारी कर ली है। कृष्णा चौहान फिल्म डायरेक्टर होने के साथ-साथ जनहित में समाजसेवा के विभिन्न कार्यों में भी लिप्त रहते हैं। साथ ही वे बॉलीवुड के कई प्रतिष्ठित एवार्ड फंक्शन्स भी कराते रहते हैं। वर्तमान में कृष्णा चौहान की दो हिंदी फिल्मों की शूटिंग अगले माह में होने जा रही है। कृष्णा चौहान के अनुसार उनकी एक फिल्म लॉक डाउन के कारण नहीं रिलीज हो पाई थी जिसे नये साल में रिलीज करने की योजना है। वह अगले माह लेजेंड दादा साहेब फाल्के एवार्ड कराने के साथ-साथ अपनी एक फिल्म की शूटिंग यूपी में शुरू करेंगे। इसके अलावा 2021 में ही वह अपनी एक म्यूजिक कंपनी लांच करने की तैयारी कर रहे हैं। आपको बता दें कि बॉलीवुड में कृष्णा चौहान का रुतबा और कद बड़ा हो चला है। अब वे किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। डायरेक्टर कृष्णा चौहान का उनके नाम से कृष्णा फाउंडेशन तो है ही, उनकी कृष्णा चौहान नामक एड एजेंसी भी है। मिस बॉलीवुड ऑनलाइन ब्यूटी कॉन्टेस्ट 2021 लगातार दूसरे साल आयोजित करके इसके फाउंडर व डायरेक्टर कृष्णा चौहान बेहद उत्साहित हैं, उन्होंने सभी विनर व रनर अप को मुबारकबाद पेश की है।

लॉकडाउन के बाद चलेगी 15 डिब्बों की लोकल, अंधेरी से विरार के बीच स्लो ट्रैक पर पूरा हुआ काम

मुंबई। पश्चिम रेलवे पर अंधेरी से विरार के बीच का सेक्शन मुंबई या यूं कहें कि दुनिया में सबसे भीड़ भरा सबर्बन सेक्शन है। इस सेक्शन में भीड़ की समस्या से निपटने के लिए 15 डिब्बों की ज्यादा सर्विस चलाने की योजना बनी थी। फास्ट कॉरिडोर पर ये सर्विस चलाई जा रही हैं लेकिन स्लो ट्रैक पर अभी इंतजार बाकी है। 15 डिब्बों की सर्विस चलाने के लिए सिग्नलिंग प्रणाली से लेकर प्लेटफॉर्म की लंबाई बढ़ाने तक का काम करना पड़ता है। ये काम पूरा हो चुका है। लेकिन पहले की तुलना में बहुत कम भीड़ होने के कारण फैसला लेने में देरी हो रही है।

क्या है वर्तमान स्थिति

फिलहाल पश्चिम रेलवे के फास्ट कॉरिडोर पर सामान्य अवस्था में 15 डिब्बों की 54 सर्विस चलती हैं। इन ट्रेनों की सर्विस बढ़ाने के लिए बोरीवली और विरार सेक्शन को चुना गया है। इन सेक्शन में भी स्लो कॉरिडोर पर सर्विस बढ़ाई जानी हैं, क्योंकि अंधेरी के बाद मालाड, कांदिवली, मीरा रोड, भाईंदर और नालासोपारा में सबसे ज्यादा भीड़ उतरती और चढ़ती है। एक अधिकारी के अनुसार, स्लो ट्रैक पर 15 डिब्बों की ट्रेन से काफी मदद मिलेगी। यह काम पहले जनवरी 2020 तक होना था लेकिन लॉकडाउन के कारण लगातार देरी होती गई।

एक लोकल में 6 हजार यात्री

यात्री क्षमता के लिहाज से सामान्य पीक आवर्स में 15 डिब्बों की लोकल में करीब 6 हजार यात्री सफर कर सकते हैं। 12 डिब्बों की एक लोकल में अनुमानित 3 हजार यात्री समा सकते हैं, लेकिन शाम और सुबह भीड़ के वक्त 12 डिब्बों की एक लोकल में 4-5 हजार यात्री सफर करते हैं। 15 डिब्बों की लोकल में यह संख्या 6 से 6.5 हजार तक बढ़ सकती है, जिससे अन्य ट्रेनों में भीड़ कम होगी। स्लो कॉरिडोर पर 15 डिब्बों की ट्रेन चलाने के लिए 59.5 करोड़ रुपये मंजूर हुए थे। पिछले बजट में 12 करोड़ मिले।

मुंबई में फर्जी दस्तावेजों के जरिए बच्चे को गोद दिलाने के आरोप में चिकित्सक गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के शिवाजी नगर में फर्जी दस्तावेज बनाकर एक बच्चे को अवैध रूप से गोद दिलाने के आरोप में एक चिकित्सक को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, बच्चे को गोद लेने वाले परिवार के एक सदस्य ने जन्म प्रमाण-पत्र समेत अन्य दस्तावेजों के फर्जी होने का दावा करते हुए इसकी शिकायत मुंबई पुलिस से की। जांच में पता चला कि शिवाजी नगर के एक चिकित्सक ने बच्चे को गोद लेने वाले दंपति से कहा था कि बच्चे का जन्म उसके अस्पताल में ही हुआ है जबकि बच्चे का जन्म राजस्थान में हुआ था। पुलिस अधिकारी के मुताबिक आरोपी चिकित्सक ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए परिवार को विश्वास दिलाया कि बच्चे का जन्म मुंबई में ही हुआ है। बच्चा अब दो साल का हो गया है। बच्चे को अवैध रूप से गोद लेने के मामले को लेकर हाल ही में शिकायत दर्ज कराई गयी है जोकि बच्चे को गोद लेने वाले परिवार और उसके परिजनों के बीच विवाद का नतीजा है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक आरोपी चिकित्सक को जमानत मिल गयी है और अब इस मामले में बच्चे को गोद लेने वाले दंपति से पूछताछ की जाएगी।

एनसीबी ने मुंबई में कई जगहों पर छापेमारी कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया

मुंबई। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो ने मुंबई में अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सचिन टुपे, अफसर खान और फहद सलीम कुरैशी को कथित तौर पर एलएसडी ब्लॉट, मेफेड्रोन, कोकीन और गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि टुपे को उपनगरीय मालाड में एक बेकरी के मामले में गिरफ्तार किया गया, जो नशीले पदार्थों से युक्त खाद्य पदार्थ बना रही थी और उससे पूछताछ के बाद मरोल से 11 एलएसडी ब्लॉट जब्त किए गए। अधिकारी ने बताया कि ऑटोरिक्शा चालक खान को कोकीन के साथ पकड़ा गया, जबकि एक नाइजीरियाई नागरिक फरार है, जिसे वह ड्रग्स की आपूर्ति करता था। अधिकारी ने बताया कि कुरैशी के माहिम स्थित घर से गांजा पाया गया।

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार का जवाब-कोविड से मौत पर नहीं दे सकते 4 लाख रुपए का मुआवजा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कोरोना महामारी से मरने वाले मृतक के परिवार के सदस्यों को 4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि और मुआवजे की मांग वाली याचिकाओं का जवाब देने के बाद सुप्रीम कोर्ट के समक्ष हलफनामा दायर किया। केंद्र ने हलफनामा दायर किया है कि वित्तीय बाधाओं और अन्य कारकों के कारण परिजनों को अनुग्रह राशि का भुगतान नहीं किया जा सकता है। हालांकि, केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया कि उसने पहले ही भुगतान कर दिया है और जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए कई सरकारी उपाय पेश किए गए हैं। केंद्र ने अपने हलफनामे में सुप्रीम कोर्ट के सामने यह भी प्रस्तुत किया कि केंद्र और सभी राज्य सरकारों ने कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए बड़ी मात्रा में खर्च किया है, और यह कि उनका वित्त बहुत अधिक है। सरकार ने कहा कि अगर सभी पीड़ितों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा तो फिर एसडीआरएफ का पूरा पैसा सिर्फ एक चीज पर खर्च हो जाएगा। अगर एसडीआरएफ फंड को कोरोना पीड़ितों को मुआवजा देने में खर्च किया जाता है तो इससे कोरोना से निपटने की तैयारी के साथ ही बाढ़, चक्रवात जैसी आपदाओं से भी लड़ पाना असंभव हो जाएगा।

बुलढाणा हलचल

ना कोई कॉल, ना कोई ओटीपी, फिर भी बैंक से पैसा गायब, मुफ़्त गेम, अनधिकृत ऐप अनुमति से बचें! नागरिकों को सतर्क रहना जरुरी

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। आजकल फोन और इंटरनेट बैंकिंग के बढ़ते इस्तेमाल की वजह से तरह-तरह के साइबर अपराध सामने आ रहे हैं। अभी तक बैंक की ओर से सलाह दी जाती थी कि आप किसी भी अनजान व्यक्ति से अपने डेबिट/क्रेडिट कार्ड का पिन नंबर या ओटीपी नंबर शेयर न करें. इससे आपके बैंक खाते से कोई पैसा नहीं निकाल पाएगा. लेकिन साइबर अपराधियों ने अब एक नया तरीका निकाल लिया है. जिसमें बिना ओटीपी के भी आपके खाते से पैसे उड़ाए जा सकते हैं। शातिर आर्थिक अपराध इन दिनों इस तरह के क्राइम को अंजाम दे रहे हैं। जैसे ना कोई कॉल है, कोई ओटीपी नहीं है, फिर भी बैंक से पैसे गायब होने के मामले सामने आरहे है हैं। अज्ञात ऐप डाउनलोड 'ऑटो रीड ओटीपी' की अनुमति मांगी जा रही है। इससे स्पष्ट है कि इस प्रकार की मामले हो रही है। इससे पहले हमारे पास कुछ था। कभी कभी बैंक या एटीएम ग्राहक सेवा केंद्र से बात करने जैसे कारणों का हवाला देते हुए पहले कॉल करके और फिर ओटीपी मांगकर ग्राहकों को ऑनलाइन ठगा गया। विश्वसनीय कहानियां बताकर उपभोक्ता धोखाधड़ी अब अप्रचलित है और डिजिटल युग में, सॉफ्टवेयर ऐप के माध्यम से सीधे बैंक से पैसे उडा रहे है।

ऑनलाइन जुए पर पुलिस ने कि कार्रवाई, 1 लाख 27 हजार रुपए जब्त

बुलडाणा। पुलिस को ऑनलाइन जुए की गोपनीय जानकारी मिलते ही शहर के वृंदावन नगर में जाल बिछा कर धडक कारवाई बीती रात की गई। इस कार्रवाई में उन्होंने 1 लाख 27 हजार 120 रुपये जब्त किए। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार चिखली रोड पर वृंदावन नगर स्थित चांडक लेआउट बुलडाना के उमेश अंबादास देशमुख और आकाश चाफेकर के खिलाफ आपराधिक संहिता की धारा 550 की धारा 12 के तहत मामला दर्ज किया गया है.इनके कब से लैपटॉप और कंप्यूटर ईस तरह कुल कुल 1 लाख 27 हजार 120 रुपये जब्त किए गए हैं। पुलिस निरीक्षक प्रदीप साळुंखे के मार्गदर्शन में डीबी दस्ते को प्राप्त गोपनीय जानकारी के अनुसार मूल्यांकन किया गया और उपरोक्त वस्तुओं को जब्त कर लिया गया। अभिजित आहीराव, हेड कॉन्स्टेबल दिलीप पवार, हेडकॉन्स्टेबल माधव पेठकर, एमपीसी अमोल खराटे ईन्होने कारवाई की गई।आगे की जांच पीएसआई अभिजीत अहिराव कर रहे हैं।

मधुबनी हलचल

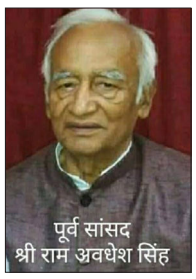

पूर्व सांसद
श्री राम अवधेश सिंह

मधुबनीः पूर्व सांसद, गरीबों, दलितों व पिछड़ों के मसीहा माननीय राम अवधेश सिंह के 18 जून जयंती के अवसर पर बिहार समाजवादी पार्टी ने गहरा शोक प्रकट किया

संबाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। इस अवसर पर उनके संघर्षशील सामाजिक कार्यों को याद किया गया। मधुबनी समाजवादी पार्टी की जिला इकाई द्वारा जिला अध्यक्ष मो मुमताज आलम की अध्यक्षता में एक शोकसभा आयोजित की गई। इस अवसर पर बिहार समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव राम सुदिष्ट यादव ने कहा कि राम अवधेश बाबू प्रखर समाजवादी नेता थे, जो सदैव गांव, गरीब और किसान के हक की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ते रहे। उन्होंने दफादार-चौकीदार पंचायत संघ के लिए भी लंबे समय तक संघर्ष करते रहे। जिला अध्यक्ष मो मुमताज आलम ने कहा कि राम अवधेश बाबू जिला के ही नही बल्कि समाजवादी विचारधारा एवं डा राम मनोज लोहिया जी के राह के सच्चे अनुआयी थे। वे आजीवन मानव हित में काम करते रहे।

शिक्षकों को मेधा सूची के लिए जिम्मेदार ठहराना अवैधानिकः मशकुर आलम

मधुबनी। प्रिय साथियों, विगत कई वर्षों से जारी निगरानी जांच के दौरान हम सबों द्वारा दर्जनों बार शैक्षणिक व प्रशैक्षणिक प्रमाण पत्र सी. आर.सी., बी.आर.सी.व जिला शिक्षा कार्यालय में जमा किया।लेकिन शिक्षा विभाग के लापरवाही से 88 हजार शिक्षकों का फोल्डर फाइल निगरानी को प्राप्त नही हो सका। पुनः शिक्षा विभाग ने वेबसाइट जारी कर शैक्षणिक, प्रशैक्षणिक प्रमाण पत्र के साथ मेधा सूची अपलोड करने का बेतुका फरमान जारी कर शिक्षकों को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का कार्य कर रही है जिला अध्यक्ष बिहार प्रदेश प्रारंभिक शिक्षक संघ मशकुर आलम ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि, शिक्षकों से मेधा सूची अपलोड करने का निर्देश पुरी तरह से अवैधानिक है। मेधा सूची का कस्टोडियन नियोजन इकाई है न कि शिक्षक। इस तरह का आदेश पुरी तरह नियम विरुद्ध है। संघ शिक्षा विभाग के इस आदेश पर पुनर्विचार हेतु आग्रह कर रही है। बावजूद शिक्षा विभाग मेधा सूची के लिए शिक्षकों को जिम्मेदार ठहराते हुए किसी तरह की कार्रवाई करती है,तो संघ सड़क से कोर्ट तक आक्रामक संघर्ष के लिए तैयार है। आप तमाम सम्मानित शिक्षक साथियों से अपील है कि धैर्य और पुरी हौसला के साथ सरकार के इस तानाशाही फरमान के खिलाफ एकजुट रहे। और आपको मालूम हो कि मेधासूची उपलब्ध कराना संबंधित नियोजन इकाई का है आप शिक्षक साथी घबराये नहीं आने वाले दिनों में सबकुछ साफ नजर आ जाएगा।

समस्तीपुर हलचल

समस्तीपुर ज़िले को 04 ऑक्सीजन प्लांटों की मिलेगी सौगात : नित्यानंद राय

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री एवं उजियारपुर के सांसद नित्यानन्द राय रविवार को अपने विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर समस्तीपुर पहुंचे। उन्होने हरपुर एलौथ स्थित बीजेपी कार्यालय में मिडिया को संबोधित किया। अपने सम्बोधन में केंद्रीय मंत्री ने समस्तीपुर एवं उजियारपुर लोकसभा क्षेत्र के अंदर हो रही कई योजनाओं की जानकारी पत्रकारों को दिया। श्री राय ने बताया की कोरोना की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी की बात सामने आयी, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंभीरता से लिया और इसे दूर करने के लिए हर संभव प्रयास की रूपरेखा तैयार कर इस पर कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। इसी के तहत करोडों की लागत से प्रधानमंत्री केयर फंड के सौजन्य से जिले में तीन ऑक्सीजन प्लांट समस्तीपुर सदर अस्पताल, पटोरी अनुमंडल अस्पताल एवं पूसा में लगाये जा रहे हैं। बता दें की उजियारपुर लोकसभा क्षेत्र देश का पहला संसदीय क्षेत्र बन गया है, जहां सांसद निधि कोष से एक लोकसभा क्षेत्र में दो ऑक्सीजन प्लांट दलसिंहसराय

के देसुआ एवं वैशाली जिले के पातेपुर स्थित बहुआरा में लगाने की अनुमति मिली है। दलसिंहसराय शहर के मध्य 32 नंबर रेलवे गुमटी पर आरओबी के संदर्भ में मंत्री ने बताया की इसके निर्माण की स्वीकृति मिल चुकी है, 61 करोड़ की लागत से यह पुल बनेगी। बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड इस योजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बना रहा है, डीपीआर बनते ही आरओबी के निर्माण का टेंडर हो जाएगा और पुल निर्माण का कार्य प्रारम्भ हो जाएगा, जिससे दलसिंहसरायवासियों को भयंकर जाम से मुक्ति मिल जाएगी। मौके पर इसका नक्शा भी पत्रकारों को दिखाया गया। इसी संवाददाता सम्मेलन में नित्यानन्द राय ने सड़क से जुड़ी कई अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी भी दी। मुसरीघरारी, ताजपुर एवं दलसिंहसराय एनएच पर 03 फ्लाईओवर ब्रिज भी बनेगी, जिसकी लंबाई 700 मीटर की होगी। इसके साथ ही हाजीपुर- मोहिउद्दीननगर- बछवाड़ा एनएच सड़क निर्माण कार्य की जानकारी देते हुए मंत्री ने कहा की समस्तीपुर जिला के अंदर भूमि अधिग्रहण का काम पूरा हो गया है, वैशाली जिले में अभी भूमि अधिग्रहण का कुछ काम बाकी है, जो जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। टोटल प्रोजेक्ट 661 करोड़ का है, लेकिन फिलहाल प्रथम फेज में महनार से बछवारा तक पीसीसी सड़क बनेगी, इसकी लागत 400 करोड़ है। 42 किलोमीटर लंबी इस सड़क की चौड़ाई 10 मीटर यानी लगभग 32 फीट के आसपास होगी। इसके लिए मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को धन्यवाद दिया। प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान बीजेपी जिलाध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा, मोहिउद्दीननगर विधायक राजेश कुमार, पातेपुर विधायक लखिन्द्र जी, पूर्व जिला अध्यक्ष रामसुमिन सिंह, शील राय, लालगंज विधायक संजय जी, राजेश, सीता देवी, शैलेश जी, वीणा देवी, व्यावसायिक प्रकोष्ठ के संयोजक मनोज गुप्ता एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राजस्थान हलचल

साईमा सैयद को जोधपूर रत्न से किया सम्मानित

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। अंतरराष्ट्रीय मानव सुरक्षा परिषद के शहर अध्यक्ष नदीम बक्ष ने बताया की देश की पहली महिला वन स्टार राइडर बनके देश का नाम रोशन करने मे अपनी जी जान से मेहनत करके देश की पहली महिला साईमा सैयद घूड़ सवार का आज उनके निवास पर जोधपुर रत्न देकर सम्मानित करके उनके होसले को अफजाई किया

सायमा ने कहा आगे भी इसी तरह मे अपने देश के लिए मेहनत करके देश का नाम रोशन करती रहूंगी। ये रहे मोजूद जोधपूर शहर अध्यक्ष नदिम बक्ष, जिला उपाध्यक्ष राम स्वरूप शर्मा, मुख्य उपाध्यक्ष सुरेश कुमार तीवाडी, सचिव दीपक गहलोत, काग्रेसी यूवा नेता लक्ष्मण गुर्जर, देव महिला संगठन जिला अध्यक्ष नीरज बहन गुर्जर व अन्य भी सदस्य उपस्थित थे।

जीवन के अन्तिम पड़ाव मे 'नवजीवन' दुगनी वसूली कर रहा है

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। वरिष्ठ जनो के साथ अन्तिम पड़ाव मे नियत तो कहर ढा रही है- शासन प्रशासन भी कोर कसर नही छोड़ रही है सरकारी सेवा से निवृत्त होकर आमने-सामने चैन से जीवन यापन करने वालो से-आयुर्वेद विभाग ने ऐसी एजेंसी के साथ अनुबंध किया है जो बाजार मे प्रतिष्ठित एजेंसी से दुगुनी भाव मे दवाई उपलब्ध करवा रही है - एडवोकेट सुरेश गोस्वामी ने बताया कि राज्य सरकार के निर्धारित आय तक पेशन ड़ायरी से दवाई वृद्ध जन दवाई ले सकते है - बढती महगाई के दौर मे आयुर्वेद विभाग ने सभी नियम कायदो की ताक पर रखकर जो अनुबन्ध किया वो वृद्ध जो के लिए दुख दायी साबित हो रहा है। शासन प्रशासन को इस बात की जानकारी होने बाद भी कार्रवाई नही हो - शर्म की बात है - वरिष्ठ जनो के योगदान - अनुभव - मार्गदर्शन का ये फल बहुत ही निन्दनीय है।

रामपुर हलचल

प्रधान मंत्री आवास योजना के अन्तर्गत मिलने वाली कालौनियों के नाम पर लाभान्वितों से खुलैआम की जा रही है धन की वसूली

संवाददाता/नदीम अख़्तर

टाण्डा (रामपुर)। प्रधान मंत्री आवास योजना के अन्तर्गत मिलने वाली कालौनियों के नाम पर लाभान्वितों से खुलैआम की जा रही है धन की वसूली,सांठ गांठ के चलते अनियामित्ताओं को लेकर पूंजिपति उठा रहे हैं लाभ कमजोर वर्ग के लोग अधिकांश हैं वंचित। भारतीय किसान मजदूर यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव अतीकुर्रहमान सल्मानी ने प्रधान मंत्री आवास योजना में धांधली बार्जी को लेकर प्रधान मंत्री ग्रह मंत्री भारत सरकार दिल्ली एवं प्रदेश के मुखिया मुख्य मंत्री जी को पत्र प्रोषित करते हुए कहा गया है कि नगर के अन्दर इस समय प्रधान मंत्री आवासीय योजना के अन्तर्गत गरीब एवं मजदूर वर्ग के लोगों को मिलने वाली कालौनी अनियमित्ताओं के चलते नहीं मिल पा रही हैं अधिकांश पूंजिपति लोग दलालों एवं विभागीय स्तर के उच्च अधिकारियों की सांठ गांठ के चलते कालौनी का रजिस्ट्रेशन कराये जाने पर 1000 रुपए तथा जी.ओ.टेक के होने पर 5000 रुपए किश्त के आने पर 25 हजार रुपए की धनराशी प्राप्त कर खुलैतौर पर दलालों आदि के चलते लूटा जा रहा है जिसका लाभ लाभान्वितों को न मिलकर पूंजिपति इसका लाभ उठाने में मस्त हैं कालौनी के नाम पर मिलनें वाली 2 लाख 50 हजार रुपए की धनराशी को अपनी धनराशी में मिलाकर आलीशान मकान तैयार कर अन्जाम दिया जा रहा है कमजोर एवं गरीब वर्ग के लोग जो शिक्षा आदि से अनभिज्ञ हैं उनके साथ हेरा फेरी कर जो धनराशी लाभान्वित से प्राप्त कर ली जाती है उसको अनेकों प्रकार से पाठ पढ़ाकर खामोश कर दिया जाता है इधर उधर भटकने के उपरान्त कालौनी वंचित लाभान्वित अपने घर बैठ जाता है दलाल माफिया अगले राउंड में कालौनी की उम्मीद जगा कर आश्वासन दे दिया जाता हैं! नगर के अन्दर जितनी भी आवासीय कालौनियों का निर्माण पूर्ण तरीके से हो चुका है मौजूदा स्थिति में जिनका सर्वे आदि चल रहा है उनमें अधिकांश कालौनियां पूजिपति लोगों की ही मिलेंगी जिनका खुलासा जांच उपरान्त हो सकेगा सरकार की तरफ से मिलने वाली धनराशी का जो सद उपयोग किया जा रहा है लाभान्वितों को कोई लाभ न मिलकर वंचित हैं पूजिपति अपने लाभ में मस्त होते नजर आ रहे हैं दोषी पाये जाने पर धन की वापसी कराई जाय सांठ गांठ में लिप्त सभी के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर कठोर कार्यवाही अम्ल में लाये जाने की मांग की गई हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इन आसान तरीकों से मिनटों में भगाएं कमर दर्द

ऑफिस में घंटों एक ही पोजीशन में बैठने की वजह से लोगों को कमर में दर्द होने लगता है जो बढ़कर गंभीर बीमारी का रूप धारण कर लेता है। इस वजह से लोग पेनकिलर दवाओं का सेवन करने लगते हैं जिससे उस समय तो दर्द से राहत मिल जाती है लेकिन इससे शरीर को काफी नुकसान पहुंचता है। ऐसे में कुछ आसान तरीके अपनाकर कमर दर्द से छुटकारा पाया जा सकता है।

मेथी तेल

इसके लिए मेथी दानों को सरसों के तेल में डालकर काला होने तक भूनें। जब ये अच्छी तरह से तेल में अपना असर छोड़ दें तो इसे छान कर एक शीशी में निकाल लें। रोजाना इस तेल से कमर की मालिश करने से दर्द गायब हो जाएगा।

अजवाइन

कमर दर्द होने पर थोड़ी-सी अजवाइन को तवे पर हल्का गर्म करें और इसे चबाकर खाएं। इससे दर्द से तुरंत राहत मिलेगी।

योगासन

योग हर बीमारी में फायदेमंद होता है। कमर दर्द होने पर रोजाना मकरासन करें जिससे दर्द से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी।

तिल का तेल

तिल का तेल काफी गर्म होता है जिससे मांसपेशियों को आराम मिलता है। कमर दर्द होने पर इस तेल से मालिश करने से फायदा होता है।

खूबसूरत स्किन और बालों के लिए काफी हैं चुटकीभर केसर

खुशबू से भरपूर केसर का इस्तेमाल खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसके अलावा भी केसर का सेवन करने से स्वास्थ्य संबंधी कई प्रॉबल्म दूर होती है लेकिन स्किन के लिए केसर लाजवाब नुस्खा है। भले की यह महंगा हो लेकिन इसके फायदे अनेक है। जी हां, केसर से आप अपने बालों को खूबसूरत और त्वचा की रंगत निखार सकते है। आइए जानते है कैसे चुटकीभर केसर आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देता है।

बेदाग त्वचा

केसर में एंटीफंगल भरपूर होता है स्किन पर मौजूद पिंपल्स और दाग-धब्बों को दूर कर देता है। अगर आपके चेहरे पर दाग-धब्बे दिखाई देते है तो 5-6 तुलसी की पत्तियों में 2 चुटकी केसर मिला लें। फिर इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और सूखने के बाद धो लें।

गोरी रंगत

अगर आप अपने चेहरे की रंगत निखारने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर चुकी है तो केसर को अच्छी तरह मसकर उसमें 1 चम्मच गुलाबजल और 1 चम्मच चंदन पाउडर मिलाकर चेहरे पर लगाएं। सूखने के बाद धो दें।

मजबूत और खूबसूरत बाल

हेयर ऑयल में चुटकीभर केसर मिलाकर गुनगुना कर लें और बाद में इसे स्कैल्प पर अच्छे से लगाकर मसाज करें। अगले दिन बालों को धो लें। हफ्ते में दो बार ऐसा करें। इससे बाल मजबूत और खूबबूरत दिखाई देंगे।

लाजवाब टोनर

गुलाबजल की बोतल में चुटकीभर केसर मिला लें। फिर इसे रोज चेहरे पर स्प्रे करें। इससे चेहरे पर ग्लो और वह फ्रेश दिखाई देगा।

ड्राई स्किन

अगर आपकी स्किन ड्राई है तो एक चौथाई कप पानी में चुटकीभर केसर और 2 चम्मच मिल्क पाउडर मिलाकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं। इससे ड्राईनेस हट जाएगी।

हाथों के इन प्वाइंट को दबाने से दूर होगी कई प्रॉबल्म

अधिकतर लोगों को हर वक्त किसी न किसी छोटी-छोटी समस्या या दर्द से गुजरना पड़ता है। कभी सिर का दर्द तो कभी तनाव जैसी परेशानियां जो पीछा छोड़ने का नाम ही नहीं लेती। ऐसे में लोग महंगी से महंगी दवाईयों का सेवन करते है और कई देसी दवाईयों का सहारा लेते है लेकिन अगर इन सब से भी कोई फायदा न होता दिखाई दे पैसों की बबार्दी होती दिखाई देती है। आपने कभी सोचा है कि हमारे ही शरीर में कुछ प्वाइंट ऐसे होते है जिनको कुछ सेकेंड के लिए दबाने से स्वास्थ्य संबंधी कई प्रॉबल्म दूर हो जाती है। आज हम आपको हाथ के कुछ ऐसे ही प्लाइंट के बारे में बताएंगे जिसको दबाकर आप किसी भी तरह के दर्द से निजात पा सकते है।

तनाव

अगर आप अधिकतर तनाव से गुजर रहे है तो इसको दूर करने के लिए किसी दवाईयां का सहारा न लें बल्कि हाथ को छोटी उंगुली के नीचे कलाई वाली जगह पर हल्का सा दबाव बनाएं। इससे तनाव गायब हो जाएगा।

इनडाइजेशन और एंग्जाइटी

हाथ की हथेली से लगभग 3 से .मी नीचे वाले हिस्से को दबाने से इनडाइजेशन और एंग्जाइटी जैसी स्वास्थ्य संबंधी प्रॉबल्म दूर हो सकती है।

हिचकी

अचानक से आने वाली हिचकी आ जाए और रूकने का नाम न लें तो हथेली को बीच वाले प्वाइंट को दबाएं। इससे हिचकी झट से रूक जाएगी।

गर्दन दर्द

गर्दन दर्द की प्रॉबल्म बहुत से लोगों को रहती है। जब गर्दन में तेज दर्द होता है तो कोई भी काम नहीं किया जाता है। ऐसे में इंडेक्स फिंगर और मिडिल फिंगर के बीच के निचले हिस्से पर दबाव डालने से दर्द खत्म हो जाता है।

दांत दर्द

दांत दर्द की समस्या भी बहुत से लोगों को होती है, जिस वह से खाना-पीना भी रूक जाता है। अगर आप भी दांत दर्द से परेशान है तो अंगूठे को नाखून के चारों तर प्रैशर बनाएं। इससे दर्द दूर होगा।

पेट की समस्या

पेट की समस्या अधिकतर लोगों होती है जैसे गैस प्रॉबल्म, पेट खराब आदि हो जाना। अगर ऐसे में हाथ की हथेली के बीच वाले प्वाइंट को दबाया जाए तो परेशानी खत्म हो जाती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रकुलप्रीत सिंह करना चाहती हैं कमर्शल फिल्में

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने फिल्म 'यारियां' से साल 2014 में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया। पहली फिल्म के रिलीज के बाद रकुल ने चार साल का गैप लिया। इस दौरान वह साउथ इंडियन फिल्मों में नजर आईं। रकुल से हाल ही में एक इंटरव्यू में पूछा गया कि साउथ की फिल्मों काम करने के साथ- साथ बॉलिवुड में भी काम करती हैं। तो कभी लैंग्वेज को लेकर कोई दिक्कत नहीं हुई? इस पर रकुल कहती हैं, मैं कभी लैंग्वेज को लेकर नहीं सोचती। ऐक्टिंग की कोई सीमा नहीं होती। मुझे अभी कई कमर्शल फिल्में करनी है और बॉलिवुड में अभी मुझे ढंग से नाच-गाना करना बाकी है। रकुल कहती हैं,साउथ हो या बॉलिवुड मुझे दोनों में बैलेंस बनाने आता है, क्योंकि मैं वर्कहॉलिक हूं। यदि आपकी लाइफ पूरी तरह से बैलेंसेड हैं तो आप एक दिन में बहुत कुछ कर सकते हैं। मैं जल्दी सोती हूं और जल्दी उठती हूं। बताते चलें कि रकुल उन चंद ऐक्ट्रेसेस में से हैं, जो साउथ से लेकर बॉलिवुड में अपनी एक खास पहचान बनाई हैं। रकुल आखिरी बार अजय देवगन के साथ फिल्म 'दे दे प्यार दे' में नजर आई थीं। रकुल से जब पूछा गया है कि क्या बॉलिवुड में पैर जमाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा? इस पर ऐक्ट्रेस कहती हैं,'ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। आउटसाइडर से इसका कोई लेना देना नहीं है। मैं कभी भी आउटसाइडर और इंसाइडर जैसी चीजों को नहीं मानती। मेरा बस इतना मानना है कि आपकी प्रतिभा ही आपको आगे तक ले जाती है।

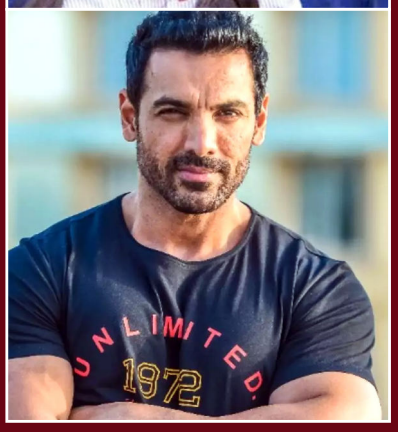

जॉन अब्राहम की वजह से रोई थीं कैटरीना कैफ

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बना चुकी हैं। करियर के शुरूआती दौर में कैटरीना को सलमान का बहुत साथ मिला था। कैटरीना ने भले ही बॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'बूम' से किया हो, लेकिन उन्हें पहचान सलमान की फिल्म 'मैंने प्यार क्यों किया' से मिली थी। अपने शुरूआती करियर में भारतीय न होने के कारण कैटरीना कैफ को हिन्दी बोलने में काफी परेशानी होती थी। खबरों के अनुसार कैटरीना कैफ को फिल्म 'साया' ऑफर हुई थी। लेकिन हिन्दी सही से नहीं बोल पाने के कारण जॉन अब्राहम ने उनके साथ काम करने से मना कर दिया था। उस वक्त भी सलमान खान उनका सहारा बने थे। वहीं सलमान खान ने एक बार खुलासा किया था कि कैसे जॉन अब्राहम ने कैटरीना कैफ को फिल्म से निकाल दिया था। लेकिन कुछ सालों बाद वो स्थिति में आ गई थी कि वह जॉन को फिल्म से निकाल सकें। जॉन अब्राहम ने कैटरीना कैफ को फिल्म 'साया' से हटा दिया था और उनकी जगह एक्ट्रेस तारा शर्मा को लिया था। एक इंटरव्यू में सलमान खान ने कहा था मुझे कैटरीना का वह दृश्य याद है जो वह कर रही थी, जिस फिल्म के लिए, बाद में उनकी जगह तारा शर्मा ने ले ली और कैटरीना यह कहते हुए रो रही थी 'मेरा पूरा करियर बर्बाद हो गया'।

'केदारनाथ' से डेब्यू करने पर बेटी से नाखुश थे सैफ?

सैफ अली खान की बेटी सारा अली खान ने साल 2018 में डायरेक्टर अभिषेक कपूर की फिल्म 'केदारानाथ' से अपना बॉलिवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके ऑपोजिट सुशांत सिंह राजपूत थे। अब सारा अली खान ने अपने एक इंटरव्यू में उन रिपोर्ट्स पर बात की, जिनमें बताया गया था कि उनके पिता सैफ अली खान 'केदारनाथ' को पहली फिल्म को चुनने को लेकर निराश थे। सारा अली खान ने खुलासा किया कि उनके पिता सैफ अली खान जानते हैं कि उनकी बेटी बिना उन्हें आश्वस्त किए किसी भी प्रॉजेक्ट के लिए हां नहीं करेगी। ऐक्ट्रेस ने कहा कि उनके पिता ने उन्हें अपने निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित किया है। सारा अली खान के अनुसार, सैफ अली खान एक ऐसे ऐक्टर भी हैं जो अधिकतर लोगों से बेहतर समझते हैं कि आखिरकार आप किसी ऐसी फिल्म का हिस्सा नहीं बन सकते जिसके बारे में आप आश्वस्त नहीं हैं। सारा अली खान ने उन रिपोर्ट्स पर भी बात की, जिनमें बताया गया कि उनके पिता सैफ अली खान चाहते थे कि वह 'केदारनाथ' के अलावा किसी और फिल्म का चुनाव करती। ऐक्ट्रेस के अनुसार, उनके पिता को कभी भी किसी भी चीज से समस्या नहीं थी। सारा अली खान ने कहा कि 'केदारनाथ' के बाद उन्हें मिले प्यार और प्रशंसा के बाद उन्होंने जो चुना और जो उन्होंने किया, उस पर उन्हें बहुत गर्व था।